उड़ाऊ छ़ोटुऔ शरतांत

The Prodigal Son

उड़ाऊ छ़ोटुऔ शरतांत

The Prodigal Son

Illustrated by:
Fred Adlao

Pahari-Bushahri
Shimla, Himachal Pradesh, India

Local

Copyright © 2023, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by-nc/4.0/
You may not use this work for commercial purposes. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Phahri Bushahri

प्रकाशन
NLL
email:scriptureinpaharibushahri@gmail.com

This book is an adaptation of the original, *The Prodigal Son*, Copyright © 2004, Kartidaya. Licensed under CC BY-NC 4.0.
English Scriptures quoted are from the Good News Bible © 1994 published by the Bible Societies/Harper Collins Publishers Ltd UK, Good News Bible © American Bible Society 1966, 1971, 1976, 1992. Used with permission.

दो बात

प्रभु की दया से हम बुशैहरी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसे बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

हमारी यही प्रार्थना है की हमारी क्षेत्र के सभी लोग पढ़-लिख कर साक्षर बन सके ।

एकी आदमीऐ दी छ़ोटु तै। तीनां माँज़िया छ़ोटे वाडै छ़ोटुऐ आपणे बापुलै बोलौ, बापुआ ज़ैदारी माँज़िया ज़ुण मेरौ हिस्सौ आ तेऊ मुंईलै दैऔ; तैबै तेऊऐ बापुऐ आपणे दिगी छ़ोटु लै आपणी ज़ैदारी बाँटी।

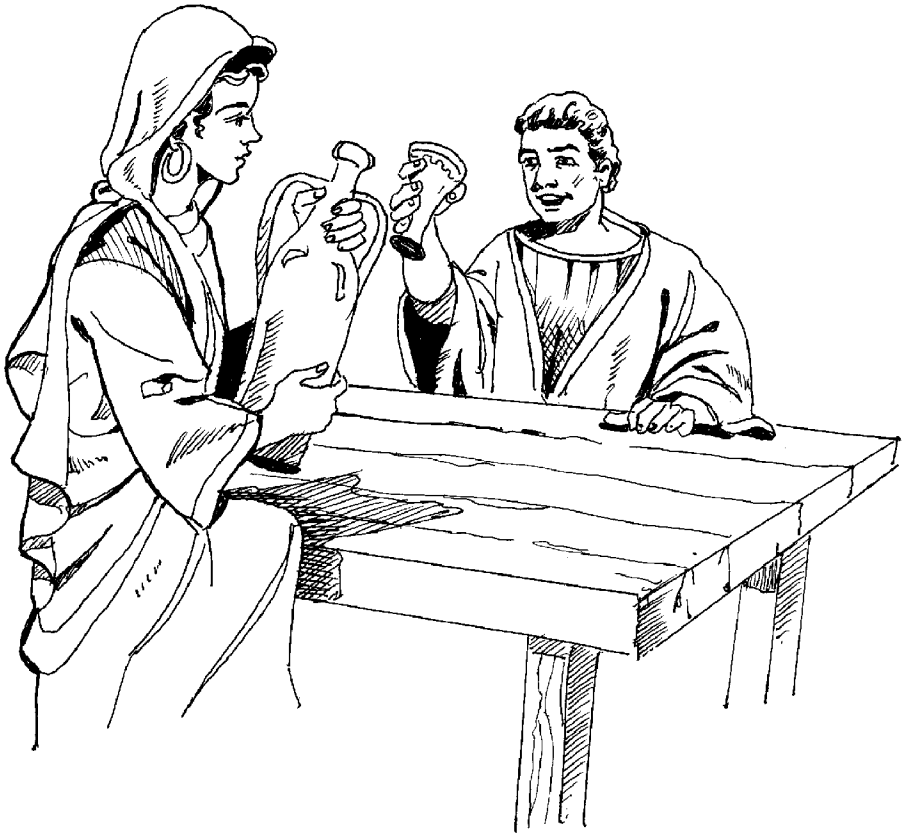

आल दौक ज़े दिन ऊतै, तैबै छ़ोटै वाड़ौ छ़ोटु भादौकीच़ कौट्ठै कौरीऔ दुर देशा लै बागौ, तैइया लापरवाई का तेऊऐ आपणौ सौबकीच़ डाऊऔ। ज़ेई तेऊऐ भादौकीच़ खर्च़ी गेतै, तै तेऊ देशादी शिक काड़ पौड़ौ, तैइया सौ कंगाड़ ऊऔ

धुंइ सौ तेऊ देशादी रौणेवाड़ै एकी आदमऐ आगै कांम खौटदौ बागौ। तेऊऐ सौ आपणे ढोकरैदी सुंगरा च़ारदै लाऔ। तैइया सौ ज़ुण शिऊइ सुंगर खातै, तेता का आपणौ पेट बौरणी तांई तौरस्तौ; पर कुणी बी तेऊलै कीच़बी खांणांलै ना दैतौ।

ज़ेई तेऊऐ ख्याल आऔ तै बोलदै लागौ, मेरै बापु आगै कामा कौरणेंवाड़ै लै पेटा बौरी-भरीऔ खांणालै मीला, पर मुं इदै भुकै मौरदै आ लागौदौ। मुं ऐबै इदरा उटिऔ आपणे बापु बीलै नांऊ तैइया तीनां लै बोलु 'बापु, मेरै परमेशरै ख्लाप तैइया थारै ख्लाप पाप किऔदौ आ।

मुं ऐबै ऐता लायक नां रौ तुमें मुंईलै आपणौ छ़ोटु बोलौ, मुलै आपणे गौरकै एकी कामा कौरणेंवाड़ै मेसी थौ।” “तैबै सौ उटिऔ आपणे बापु बीलै च़ालौ, सौ आल दुलैई तौ, तै तेऊऐ बापुऍ ज़ेंणी सौ शाऔ तै तेऊऐ आपणे छ़ोटु लै गीण लागी, तैबै तेऊऐ दौड़िऔ सौ गौड़ै लाऔ, तैइया तेऊलै पोपी देंनी।

तेऊ छ़ोटुऐ आपणे बापुलै बोलौ, बापु मेरै परमेशरै ख्लाप तैइया थारै ख्लाप पाप आ किअदौ; ऐबै मुं ऐता लाईक नां रौ तुमें मुंईलै आपणौ छ़ोटु बोलौ।

पर तेऊऐ बापु ऎ आपणे नुकरालै बोलौ,
‘शौटक च़ारै सबिका बांकै झुड़कै घाडीऔ
एऊ कै बड़ैऊऔ, तैइया एऊऐ हातादी कंगड़,
सातै रोडा दी लाटै लाऔ,

तैइया दाच़दौ खाड्डु आणीऔ काटौ ज़ौ हाँमै खांई तैइया खुशी मलंऊई। किलैकी मेरौ जौ छ़ोटु मौरी गेतौ ऐबै ज़ीउइ गेऔ; राच़्चौदौ तौ, ऐबै मिली गेऔ।’ तैबै सै खुशी मलांऊदै लागै।

तेऊ बौक्ते तेऊऔ झ़ेटौ छ़ोटु ढोकरैदी तौ। ज़ेई सौ आंदी बेरा गौरा बीडै पौच़्चौ तै तेऊऐ गाज़ौ-बाज़ौ तैइया नाच़्चणौ शुणौ। तैबै तेऊऐ एक नुकर बेदौ तैइया तेऊका पुच़्चौ; ‘जौ का औदौ लागौदौ?”

नुकरै ज़वाब देंनौ थारौ बाई आऔदौ आ, तैइया थारै बापुऐ तेऊऐ वापस आंणी खुशी दी खाड्डु आ काटौदौ किलैकी सौ बौलौ-च़ाँगौ वापस आऔ।’ ऐणौ शुणिअ सौ शिक गुस्सै ऊऔ, तैइया बितरै नां नांणौ च़ाऔ, पर तेऊऔ बापु भैरै आईऔ तेऊ बनेऊदै लागै।

पर तेऊऐ आपणे बापुलै ज़वाब देंनो, ‘देकौ, मुं ऐतरी बौर्षे का थारी सेवा कौरदौ आ लागौदौ तैइया केइबी थारौ हुक्म नां टाड़ौ, तैबी तुमें मुंईलै केईबी एक बाकरीऔ च़ेड़टु बी नां देंनौ की मुं आपणे सोगी सिती खुशी मलाऊ। पर ज़ेई थारौ जौ छ़ोटु, ज़ुणीऐ थारी ज़ैदारी ज़ारीदी डाऊइ, वापस आऔ तै तुमें एऊई तांई दाचौदौ खाड्डु क्टावाऊऔ।

तैबै तेऊऐ बापुऍ बोलौ, “बेटैआ तु सौदा मुंईसी आ; तैइया ज़ौ कीच़ मेरौ आ सौ भादौ तेरौई आ। पर ऐबै हाँमै खुशी का मगन औंऍ च़ेंई किलैकी तेरौ जौ बाई मौरी गेतौ, ऐबै ज़ीऊदौ आ ऊअदौ, राच़ौदौ तौ ऐबै मिली गेऔ।

This book was created with Bloom Enterprise features freely enabled in order to support projects funded by the local community.